

[18 March, 2006]

RAJYA SABHA

वर्गों के विकास के लिए दिए गए आरक्षण का लाभ समाज के अनुसूचित जाति एवं जनजाति के अंतर्गत आने वाले सभी वर्गों को समान रूप से मिलना चाहिए और इस व्यवस्था के लिए आवश्यकतानुसार संविधान का संशोधन करके ऐसी प्रणाली विकसित की जानी चाहिए कि समाज के इन दलित शोषित तबकों के विभिन्न वर्गों का हर राज्य में उनकी आबादी के अनुपात में आरक्षण प्रतिशत सुनिश्चित हो सके और आबादी के प्रतिशत के अनुरूप आरक्षण के प्रतिशत का लाभ अनुसूचित जाति एवं जनजाति से संबंधित सभी जातियों को समान रूप से मिल सके। अनुसूचित जाति एवं जनजाति से जुड़ी विभिन्न जातियों एवं वर्गों से कुछ समय से निरंतर यह मांग उठाई जा रही है। अतः इस मांग को स्वीकार करते हुए अनुसूचित जाति एवं जनजाति की श्रेणी में आने वाले सभी वर्गों के हितों का ध्यान रखते हुए सरकार को वर्तमान आरक्षण नीति में अपेक्षा के अनुसार संशोधन करते हुए शिघ्र नई नीति को लागू करना चाहिए ताकि अनुसूचित जाति और जनजाति के सभी वर्ग समान रूप से लाभान्वित हो सकें।

श्री नंदी येल्लैया (आंध्र प्रदेश) : उपसभाध्यक्ष महोदया, मैं माननीय सदस्या से स्वयं संबद्ध करता हूँ।

श्री धर्म पाल सभ्रवाल (पंजाब) : उपसभाध्यक्ष महोदया, मैं माननीय सदस्या से स्वयं को संबद्ध करता हूँ।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI PREMA CARIAPPA): Dr. Gyan Prakash Pilania; not present. Shri Chittabrata Majumdar; not here. Dr. M.A.M. Ramaswamy; not here.

Now, we take up the discussion on the working of the Ministries of Panchayati Raj and Rural Development.

FELICITATIONS TO SHRIMATI PREMA CARIAPPA FOR BEING IN CHAIR

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंश्र मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुरेश पचौरी) : महोदय, इससे पहले कि आप पंचायती राज ग्रामीण विकास मंत्रालय मंत्रालयों के कार्यकरण पर चर्चा प्रारम्भ करें, मैं इस सदन की ओर से और सरकार की ओर से आपको बधाई देना चाहता हूँ क्योंकि आप अभी उस महान आसंदी पर विराजमान हैं, जिस आसंदी पर सर्वपल्ली राधाकृष्ण जी, डा. जाकिर हुसैन जी, डा. शंकर दयाल शर्मा जी, के. आर नारायणन जी, जस्टिस हिदायतुल्लाह जैसे इस देश के महान दैदीप्यमान नक्षत्र विराजमान रहे हैं और इस सभा का सफल संचालन किया है। इसलिए इस महान आसंदी पर विराजमान होते हुए आप सदन की ओर से बधाई स्वीकार करें। हम यह कामना करते हैं कि इस सदन की जो परम्परा रही है, उस परम्परा के अनुसार इस महान आसंदी से आप जो भी निर्देशन देंगी, उसका हम लोग पालन करते रहेंगे। धन्यवाद।

श्रीमती माय सिंह (मध्य प्रदेश) : महोदया, माननीय सुरेश पचौरी जी ने जो भी कहा है, उससे मैं भी सहमत हूँ। मेरी ओर से भी आप बधाई स्वीकार करें।

SHRIMATI VANGA GEETHA (Andhra Pradesh): Madam, I would also like to associate myself with it.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI PREMA CARIAPPA): Thank you very much. Now, we will take up the discussion on the working of the Ministries of Panchayati Raj and Rural Development. Shri Mangani Lal Mandal is to initiate the debate.

DISCUSSION ON THE WORKING OF THE MINISTRIES OF PANCHAYATI RAJ AND RURAL DEVELOPMENT

THE MINISTER OF PANCHAYATI RAJ AND MINISTER OF YOUTH AFFAIRS AND SPORTS (SHRI MANI SHANKAR AIYAR): Madam, may I just make a remark? I understand that this morning it was pointed out that the Annual Report of the Ministry of Panchayati Raj was not available at the Publications counter. I would like to tender an unqualified apology to the Chair and to the House for the non-availability of this Annual Report. It has been submitted to the printers, and we are hoping to get it very soon. But that is no excuse. It is entirely my fault that we do not have the Report to share with hon. Members when we commence this debate. If on account of that, they would wish not to discuss the working of the Ministry of Panchayati Raj, I should bow to the will of the House. But if they are prepared to discuss the working of this Ministry, even in the absence of the Annual Report, I would be extremely grateful to them and to the House. Thank you, Madam.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI PREMA CARIAPPA): I hope the House will agree with this.

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry) : Yes; Madam.

श्री प्यारे लाल खंडेलवाल (मध्य प्रदेश) : महोदया, मुझे लगता है कि माननीय मंत्री जी ने ठीक बात कही है। अगर रिपोर्ट ही नहीं है, उस रिपोर्ट को माननीय सदस्य देख ही नहीं पाएंगे तो चर्चा क्या करेंगे? इसलिए मेरा अनुरोध है कि मंत्री जी की बात पर विचार करके चर्चा को postpone किया जाए।

SHRI SHARAD ANANTRAO JOSHI (Maharashtra) : Madam, the Business Advisory Committee had very advisedly put the discussion on the two Ministries together because the Panchayati Raj and Rural Development Ministries are closely related. Since one of the Reports is not available, I had